दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)
(मॉड्यूल III-आधुनिक इतिहास)

DTVF/18(JS)–OPS-**H3**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): mintu lal meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 03 / 3/7/2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

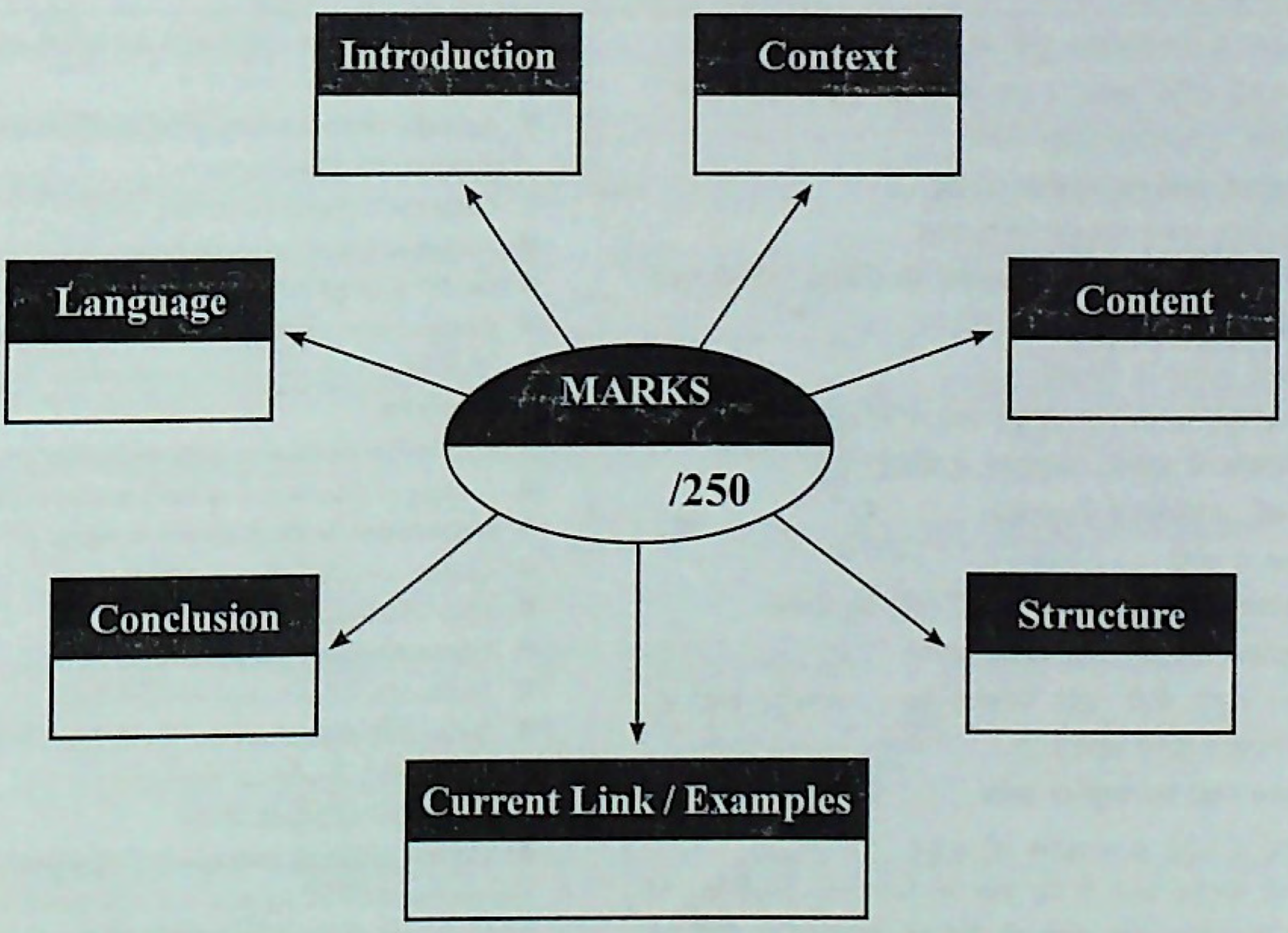

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

खण्ड - क / SECTION - A

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) सन 1498 में वास्को-डी-गामा का भारत पहुँचना एशिया और यूरोप के मध्य संबंधों में एक नए युग का सूचक था। टिप्पणी कीजिये।

The arrival of Vasco-da-Gama to India in 1498 signified a new era of relations between Asia and Europe. Comment.

1453 ई. में कुस्तुनतुनिया के पतन के बाद यूरोप का पूर्वी देशों से होने वाला व्यापार बन्द हो गया। ऐसी स्थिति में पुनर्जागरण चेतना के फलस्वरूप नवीन भौगोलिक खोजों के क्रम में 1498 ई. में वास्कोडिगामा भारत के कालीकट बन्दरगाह पर पहुँचा।

वास्कोडिगामा के भारत पहुँचने से यूरोप एवं भारत के मध्य व्यापार-वाणिज्य का एक नया युग शुरू हुआ। भारत से प्राप्त होने वाले व्यापारिक लाभ को देखते हुए अनेक यूरोपीय देशों ने केवल भारत से ही नहीं बल्कि अन्य एशियाई देशों से व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित किये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चूँकि, 18वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध औद्योगिक क्रान्ति का काल था। अतः ऐसी स्थिति में यूरोपीय देशों ने अपने उद्योगों के लिए कच्चे माल की प्राप्ति एवं निर्मित वस्तुओं की बिक्री के लिए उपनिवेशवाद पर बल दिया।

इसी क्रम में भारत ब्रिटिश का एवं इंडोनेशिया पूर्वी एशियाई देशों में डच उपनिवेशवाद स्थापित हुआ।

निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि वास्कोडिगामा के भारत पहुँचने से एशिया-यूरोप के मध्य व्यापारिक सम्बन्ध बने किन्तु ये देश औपनिवेशिक शोषण एवं दासता के शिकार हुए। फलतः इन देशों में भुखमरी, गरीबी, अकाल जैसी समस्याएँ मुख्य रूप रहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "अंग्रेज़ों की भारत पर विजय, समस्त संसार की, विशेषकर यूरोप की साम्राज्यवादी नीतियों का ही भाग था।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिये।

"The British Conquest of India was a part of the imperialistic policies prevalent in the world, especially in Europe." Do you agree with this statement? Give arguments in support of your answer.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजों ने सर्वप्रथम भारत के साथ व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित किए। इस भारत के साथ व्यापार-वाणिज्य के कारण अंग्रेजों के पास अत्याधिक पूँजी एकत्रित हुई जिसने इंग्लैण्ड के औद्योगिक क्रांति का आधार तैयार कर दिया।

वास्तव में जब इंग्लैण्ड के कारखानों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति एवं निर्मित माल के लिए विशाल बाजारों की आवश्यकता थी। इसके लिए अंग्रेजों ने भारत में विलय-नीति, विस्तार की विभिन्न नीतियाँ अपनायी और भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार किया।

इन नीतियों में वेलेजली की सहायक संधि प्रणाली तथा डलहौजी द्वारा अपनायी गई डल. कुशासन एवं [illegible]

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नीति प्रमुख है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि अंग्रेजों ने अपने औद्योगिक एवं आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए भारत को उपनिवेश बनाया और यहाँ साम्राज्यवादी विस्तार के लिए अनेक नीतियाँ बनायीं। अतः अंग्रेजों की भारत विजय उनकी साम्राज्यवादी विस्तार नीति का अंग थी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "इतिहास में इतना प्रभावित करने वाला युद्ध कभी नहीं लड़ा गया।" प्लासी के युद्ध (1757) के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिये।

"No other war in history has such great repercussions." Examine the statement in context of the Battle of Plassey (1757).

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में अंग्रेजों एवं बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के मध्य प्लासी का युद्ध लड़ा गया जिसमें अंग्रेजों की विजय हुआ। यदि इस युद्ध के परिणामों का आकलन किया जाये तो यह इतिहास का अत्याधिक प्रभावित करने वाला युद्ध था।

राजनीतिक परिणाम:

→ बंगाल अंग्रेजों का एक नियंत्रित एवं प्रायोजित राज्य बन गया और इसका प्रायोजन अंग्रेज आर्थिक संसाधनों के लाभ के लिए कर रहे थे।

→ मुगल साम्राज्य की दुर्बलता सिद्ध हुई।

→ कंपनी राजनीतिक स्वरूप से युक्त हुई।

आर्थिक परिणाम:

→ प्लासी के बाद बंगाल की लूट प्रारंभ हुई जिसने भारत के कृषक वर्ग को निर्धन एवं ऋणग्रस्त बना दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ बंगाल के द्वारा संसाधनों का प्रयोग दक्षिण भारत की विजय में किया गया। फलतः भारत में ब्रिटिश राज्य की निर्णायक स्थापना शुरू हुई।

सैन्य परिणाम:

→ प्लासी विजय के पश्चात अंग्रेजों का यहाँ के सैन्य सामग्री के निर्माण वाली खानों पर आधिपत्य हो गया। फलतः उनकी सैन्य क्षमता में वृद्धि हुई।

→ भारत की छोटी-सी सेना पर अनुशासित सेना की विजय ने भारतीय सेना के सामंतीय स्वरूप को उजागर किया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है प्लासी के युद्ध ने भारत के औपनिवेशिक शोषण एवं दासता के प्रारंभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दृष्टि से यह भारतीय इतिहास के सर्वाधिक निर्णायक युद्धों में से एक माना जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) बीसवीं शताब्दी में भारत में रेलवे के विकास ने समाज और अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

The development of railways in India, in the twentieth century, brought revolutionary changes in society and economy. Critically examine.

अंग्रेजों ने अपने राजनीतिक, प्रशासनिक आर्थिक एवं सैन्य उद्देश्यों की प्राप्ति के रेलवे का विकास किया किंतु रेलवे ने भारतीय अर्थव्यवस्था एवं समाज को सकारात्मक एवं नकारात्मक रूप से प्रभावित किया।

सकारात्मक परिवर्तन :—

समाज :

→ जातिभेद एवं अस्पृश्यता की भावना कम हुई।

→ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के आवागमन से रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा एवं विचारों का आदान-प्रदान होने से सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि हुई। फलतः राष्ट्रीय चेतना का विकास हुआ।

अर्थव्यवस्था :—

→ परम्परागत स्वावलम्बी अर्थव्यवस्था के स्थान पर विस्तृत बाजार अर्थव्यवस्था का विकास हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ उत्पादन क्षेत्रों से वस्तुएँ पहुँचाने से वस्तुओं की कीमतों में पाया जाने वाला क्षेत्रीय अन्तर समाप्त हो गया।

→ व्यापार की गतिशीलता में वृद्धि हुई।

किंतु वहीं रेलवे से भारतीय समाज के अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़े जो निम्न है -

→ यह भारत से धन की निकासी का माध्यम बना। अतः भारत में पूँजी का अभाव हुआ और भारत आर्थिक-औद्योगिक विकास अवरुद्ध हुआ।

→ कच्चे माल की निकासी एवं ब्रिटिश निर्मित वस्तुओं के उपभोग क्षेत्र तक पहुँचाने से हस्तशिल्पियों का पतन व विऔद्योगीकरण को बढ़ावा दिया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि भारत में रेलवे से वह मिला जो अपेक्षित नहीं मिला।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) "प्राच्य दल यद्यपि भारतीय संस्कृति के पाश्चात्यीकरण का विरोधी था, किंतु उसके आधुनिकीकरण का विरोधी नहीं था।" टिप्पणी कीजिये।

"Though the Orientalists were opposed to the westernization of Indian culture, they were not opposed to its modernization". Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1813 के चार्टर एक्ट के माध्यम से भारतीय शिक्षा पर प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया। किंतु इस राशि के व्यय को लेकर अंग्रेजों में दो गुट आंग्लवादी एवं प्राच्यवादी बन गये।

इनमें विवाद के बिन्दु निम्न थे -

→ शिक्षा की विषय वस्तु क्या हो? भारतीय अथवा पाश्चात्य।

→ शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा हो या अंग्रेजी भाषा।

वस्तुतः दोनों गुटों में इस बात को लेकर सहमति बन गयी थी कि भारतीयों को परम्परागत शिक्षा नहीं बल्कि आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा दी जाये।

इस तरह कहा जा सकता है कि प्राच्यवादी भारत के आधुनिकीकरण के विरोधी नहीं थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लेकिन शिक्षा के माध्यम को लेकर दोनों दलों में टकराव था। प्राच्यवादी मानते थे कि प्राचीन ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा भारतीयों को भारतीय भाषा में दी जाये और उपयोगी पुस्तकों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया जाये।

वहीं आंग्लवादी अंग्रेजी भाषा में शिक्षा देकर पाश्चात्य संस्कृति एवं मूल्यों को स्थापित करना चाहते थे।

इससे स्पष्ट है कि प्राच्यवादी भारत के पश्चिमीकरण के विरोधी थे आधुनिकीकरण के नहीं।

किन्तु यहाँ समझने की बात यह है कि वे परम्परागत संस्कृत-फारसी भाषा शिक्षा देकर भारतीयों को धर्म एवं जाति के आधार पर बाँटना चाहते थे ताकि ब्रिटिश शासन को मजबूत बनाया जा सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

2. (a) 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए कृषक एवं जनजातीय आंदोलन के उदय के कारणों का विवरण दीजिये तथा उनके प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये। 20

Discuss the causes behind the farmer and tribal movements of the 18th and 19th centuries and evaluate their impacts. 20

18वीं एवं 19वीं शताब्दी में कृषक एवं जनजातीय आन्दोलन के निम्न कारण थे -

कृषक आन्दोलनों के कारण -

1. ब्रिटिश आर्थिक प्रशासनिक नीति :-

अंग्रेजों ने भूराजस्व नीति के माध्यम से अधिकतम भूराजस्व वसूली का प्रयास किया। जिससे किसान निर्धन एवं ऋणग्रस्त हुए। वहीं दूसरी तरफ कृषि के वाणिज्यिकरण के तहत नगदी के फसलों के खेती से खाद्यान्न की कमी होने से अकाल एवं भुखमरी की स्थिति पैदा हुई।

साथ ही किसानों को भूराजस्व चुकाने के लिए नगद एवं नगदी फसलों के लिए साहूकारों एवं महाजनों से ऋण लेना पड़ा। फलतः वे महाजनी शोषण का शिकार हुए।

→ प्रथम विश्वयुद्धजनित कठिनाइयाँ :

ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रथम विश्व युद्ध के सकल करों के बोझ में वृद्धि की गई जिससे किसानों का शोषण हुआ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रूस की क्रांति का जिसने ब्रिटिश नीतियों के लिए भेजे गए आवश्यक वस्तुओं की कमी ने महँगाई में वृद्धि हुई और जनजातियों बढ़ी।

3) समाजवादी विचारधारा :-

रूस की समाजवादी क्रांति की सफलता से प्रेरित होकर भारत में अनेक किसान संगठन बने जिन्होंने किसानों एवं मजदूरों के शासन स्थापित करने की बात की। फलत: किसान संगठन के नेतृत्व में किसानों ने आन्दोलन किये।

जनजातीय आन्दोलनों के कारण

→ ब्रिटिश आर्थिक नीतियों ने जनजातियों के क्षेत्र में महाजनों का प्रवेश करा दिया। फलत: उनकी स्वतंत्र सहज जीवन शैली पर चोट हुई।

→ अंग्रेजों ने जनजातियों को वनों से उनके परम्परागत अधिकार छीन लिये और नमक, शराब निर्माण इत्यादि पर कर लगा दिया। फलत: वे असंतुष्ट हुए।

→ इसी तरह ब्रिटिश प्रशासनिक नीतियों ने रेलवे, सड़क, पुलिस थानों एवं लेखन

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

व्यापारियों को खिलाफ जनजातीय लोगों ने किया जिससे उनके स्वतंत्रीकरण एवं पहचान पर चोट हुई।

→ अंग्रेजों ने जनजातियों के सामाजिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए उनके मुखियाओं को असफल किया। साथ ही शिक्षा के प्रसार के नाम पर धर्मान्तरण किया। फलतः वे असंतुष्ट हुए और उन्होंने विद्रोह किया।

प्रभाव :

→ किसान एवं जनजातीय आंदोलनों ने यह स्पष्ट होता है कि भारत के सभी वर्ग ब्रिटिश औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों का शिकार था। और उन्होंने इसके विरुद्ध संघर्ष किया।

→ किसानों एवं जनजातियों के विद्रोह भी राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ गये। फलतः राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक आधार व्यापक हुआ।

→ इन आंदोलनों ने न केवल ब्रिटिश सरकार को बल्कि स्वतंत्र भारत को भी कृषि सुधार जैसे तत्वों की आवश्यकता से अवगत करवाया और विभिन्न प्रकार सरकारों द्वारा समय समय पर किये गये।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उन्नीसवीं शताब्दी का सुधार आंदोलन केवल धर्म तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि यह धर्म से अधिक समाज के क्षेत्र में था। चर्चा कीजिये। 15

The reform movements of the nineteenth century were not confined to religion only but extended to society as well. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

19वीं शताब्दी में हुआ सुधार आंदोलन में न केवल धार्मिक कर्मकांड एवं आडम्बरों का विरोध किया बल्कि सामाजिक क्षेत्रों सुधार में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वास्तव में 19वीं सदी के भारतीय धर्म एवं समाज में अनेक कुरीतियाँ विद्यमान थी। इन कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास तमाम सुधारकों ने किया।

स्वामी दयानन्द सरस्वती जैसे समाज सुधारकों ने मूर्तिपूजा, अवतारवाद, बहुदेववाद, पुरोहितवाद, जादू-टोना, तंत्र-मंत्र, श्राद्ध, बलि इत्यादि की कटु आलोचना की। वास्तव में ये उस समय भारतीय धर्म में व्याप्त कुरीतियाँ थी जिनको उन्होंने दूर करने का प्रयास किया।

वहीं इस समय भारतीय समाज में भी अनेक कुरीतियाँ, परम्परागत रीति

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रीति-रिवाज, प्रथाएँ एवं मान्यताओं की जिनसे स्त्री व निम्न वर्ग का शोषण हो रहा था।

इन कुरीतियों में बाल विवाह, बहु विवाह, पर्दा प्रथा, सती प्रथा, विधवा पुनर्विवाह न होना, शिशु हत्या जैसी कुरीतियाँ प्रमुख थी।

राजा राम मोहन राय के प्रयासों से लॉर्ड विलियम बैंटिंक द्वारा सती प्रथा को प्रतिबन्धित घोषित कर दण्डनीय अपराध घोषित किया गया। वहीं ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह को वैधानिक मान्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसी तरह बाल विवाह को रोकने के लिए बी एम मालाबारी के प्रयासों से सम्मति आयु अधिनियम बनाया गया जिसमें लड़की विवाह योग्य आयु 12 वर्ष कर दी गई जो कि पहले 10 वर्ष थी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन समाज सुधारकों ने नारी शिक्षा पर भी बल दिया और नारी को ~~आधुनिक~~ आधुनिक शिक्षा देकर अधिकार संपन्न बनाने पर बल दिया। इस सन्दर्भ में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयास सराहनीय है जिन्होंने अनेक बालिका विद्यालयों की स्थापना की।

इसी तरह समाज सुधारकों ने विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का प्रकाशन कर भारतीय समाज को जागरूक बनाया और उनको आधुनिक मूल्यों एवं प्रगतिशील विचारों से परिचित करवाया ताकि वे मध्यकालीन सोच से बाहर निकल सकें।

साथ ही कई समाज सुधारकों ने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। जैसे - मोहन राय ने हिन्दू कॉलेज तो अहमद खाँ - अलीगढ़ विश्वविद्यालय।

निष्कर्षतः - दौर का सुधार आंदोलन का और शक्ति की बंगाल समाज मार्मिक।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4. (a) भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियों की चर्चा कीजिये तथा उनके प्रभावों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 15

Discuss the economic policies under the British colonial rule in India and critically examine their impacts. 15

ब्रिटिश शासन द्वारा अपने औपनिवेशिक हितों की पूर्ति के लिए भारत में अनेक आर्थिक नीतियों को अपनाया गया जिनमें प्रमुख निम्नलिखित है—

आर्थिक नीतियाँ
- राजस्व नीति
- कृषि का वाणिज्यिकरण
- रेलवे का विकास
- धन की निकासी

वास्तव में इन आर्थिक नीतियों एवं उनके प्रभावों का अध्ययन उपनिवेशवाद के चरणों के अन्तर्गत किया जा सकता है।

वाणिज्यिक पूँजीवाद : (1757-1813)

इस चरण में कंपनी ने भारतीय व्यापार पर एकाधिकार स्थापित किया और यूरोपीय व्यापारियों को भारतीय राजनीति से बाहर किया।

इस काल में व्यापार-वाणिज्य के कारण ब्रिटेन के पास अत्यधिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पूंजी हासिल हुई जिससे औद्योगिक क्रांति का आधार तैयार हुआ।

वहीं भारत में धन की निकासी होने से पूंजी का अभाव हुआ। फलतः गरीबी एवं निर्धनता में वृद्धि हुई। साथ ही औद्योगिक विकास के लिए पूंजी का अभाव हो गया।

औद्योगिक पूंजीवाद (1813-1858):

यह दौर इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति का दौर था। अतः इस काल में भारत को ब्रिटिश वस्तुओं का आयातक एवं कच्चे माल का निर्यातक के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया गया अर्थात भारतीय अर्थव्यवस्था का रूपान्तरण औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में होगया।

→ इस काल में मुक्त व्यापार की नीति अपनाते हुए भारत में कंपनी का व्यापारिक एकाधिकार समाप्त कर दिया।

→ राजनैतिक क्षेत्र में विलय-विस्तार की नीति अपनाली गई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ इंग्लैण्ड में भारतीय वस्तुओं पर उच्च आयात शुल्क आरोपित किया गया।

→ भारतीय सामाजिक और धार्मिक मामलों में नाहक हस्तक्षेप करते हुए आदिवासी भारतीय समाज का आंशिक आधुनिकीकरण किया गया।

इस दौर में मुक्त व्यापार की नीति से भारतीय हस्तशिल्पियों का पतन हो गया। शिल्पकार बेरोजगार होकर कृषि क्षेत्र में पलायन कर गये। फलतः कृषि का पिछड़ापन सामने आया।

वास्तव में इस दौर की नीतियों के कारण भारत में निर्धनता, भुखमरी, विऔद्योगीकरण, कृषि का पिछड़ापन, अकाल जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई और यही भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य अभिलक्षण हो गया।

वित्तीय पूँजीवाद: (1860 के पश्चात्)

इस दौर में अंग्रेजों ने अपनी पूंजी का निवेश भारत के बीमा, बैंकों, जहाजरानी, रेलवे एवं बागानों में किया। फलतः भारत औद्योगिक देश बने बिना ही सेवा आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) उन कारकों की चर्चा कीजिये जिनके परिणामस्वरूप भारत में बीसवीं सदी के आरंभ में चरमपंथी राष्ट्रवाद का अभ्युदय हुआ तथा इनके प्रभावों का भी मूल्यांकन कीजिये। 20

Discuss the factors that led to the rise of extremist nationalism in India at the beginning of the twentieth century and evaluate their effects. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में चरमपंथी राष्ट्रवाद के उदय के निम्नलिखित कारण थे -

(1) ब्रिटिश शासन के वास्तविक स्वरूप की पहचान

→ उदारवादियों ने ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों की समीक्षा कर उसका शोषणपरक चरित्र उजागर कर दिया था। फलतः भारतीय जनता एकजुट हो गई और चरमपंथी राष्ट्रवाद का विकास हुआ।

(2) राजनैतिक निराशा:

1892 के अधिनियम से भारतीयों को कुछ लाभ प्राप्त नहीं हुआ। साथ ही इस समय पूना में प्लेग फैलने से भारतीय असंतुष्ट हुए। इसी तरह तिलक को जेल भेजने से भी भारतीय असंतुष्ट हुए और चरमपंथ को बढ़ावा मिला।

(3) अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम:

1896 में इथोपिया ने इटली को एवं 1905 में जापान ने रूस

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

को पराजित कर दिया। फलतः भारतीयों में यह विश्वास पैदा हुआ कि यूरोपीय शासक अपराजेय नहीं है। फलतः उग्रवादी विचारधारा का विकास हुआ।

(4) सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन:

दयानन्द सरस्वती ने स्वदेशी स्वराज पर बल देते हुए कहा कि "बुरे से बुरा देशी राज्य अच्छे से अच्छे विदेशी राज्य से अच्छा है।

इसी तरह अरविन्द घोष ने कहा कि 'स्वतंत्रता हमारा श्वास है।" इससे चरमपंथी राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिला।

(5) लॉर्ड कर्जन की नीतियाँ

कर्जन ने कलकत्ता नगर निगम एक्ट के माध्यम से नगरनिगम में सरकारी नियन्त्रण अत्यधिक बढ़ा दिया। वहीं भारतीय विश्वविद्यालय एक्ट के माध्यम से सभी विश्वविद्यालयों पर सरकारी नियंत्रण हो गया। इसी तरह ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के माध्यम से प्रेस की स्वतंत्रता

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर प्रतिबन्ध लगा दिया। वहीं गवर्नर जनरल कर्ज़न ने बंगाल विभाजन की घोषणा की जिसके विरुद्ध स्वदेशी आन्दोलन प्रारंभ हुआ और राष्ट्रीय आन्दोलन नये चरण (उग्रवादी) में प्रवेश कर गया जो नई शक्तियों एवं नये नायकों से युक्त था।

प्रभाव:

~~→ उग्रवादी राष्ट्रवादियों ने स्वदेशी आंदोलन के दौरान धार्मिक प्रतीकों जैसे - शिवाजी एवं गणेश उत्सव, गंगा स्नान एवं रक्षाबंधन पर बल दिया। फलतः धार्मिक जातिवादी तत्वों को धार्मिक आकांक्षाओं को बढ़ावा~~

→ राष्ट्रवाद का वैचारिक आधार मजबूत हुआ।

→ राष्ट्रीय आन्दोलन को जनआन्दोलन में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

→ राजनैतिक संघर्ष की नवीन पद्धति निष्क्रिय प्रतिरोध को अपनाया जिसने गाँधीवादी आन्दोलनों की पृष्ठभूमि तैयार करदी ~~जिसमें~~ अहिंसा का तत्व अनिवार्यतः शामिल था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) असहयोग आंदोलन के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये तथा यह भी स्पष्ट कीजिये कि भारतीय जनता के मन से ब्रिटिश शक्ति के भय को समाप्त करने में यह कहाँ तक सफल रहा। 15

Evaluate the effects of non-co-operation movement and discuss its significance in ceasing the fear of British power amongst the Indian people. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सन 1921 में 1 वर्ष में स्वराज प्राप्ति के उद्देश्य से गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन प्रारंभ किया जिसके निम्नलिखित प्रभाव रहे -

1) असहयोग आन्दोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय जनता स्वराज चाहती है और यह स्वराज की इच्छा केवल उच्च वर्गों की ही नहीं बल्कि जनता के सभी वर्गों से है।

2) असहयोग आन्दोलन में जनता ने पहली बार ब्रिटिश के विरुद्ध सशक्त आंदोलन किया था। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी थी। जिससे राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक आधार व्यापक हुआ और राष्ट्रीय आन्दोलन जनआंदोलन में परिवर्तित हो गया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3) इस आन्दोलन में गाँधीजी ने सत्याग्रह का प्रयोग किया था। इस आन्दोलन के प्रभाव की दृष्टि से जनता में यह विश्वास उत्पन्न हो गया कि सत्य एवं अहिंसा के माध्यम से भी अतिवेशवादी शक्ति को पराजित किया जा सकता है स्वराज की प्राप्ति की जा सकती है।

इस आन्दोलन की जहाँ तक भारतीय जनता के मन से ब्रिटिश शक्ति का भय निकालने की बात है तो इसमें यह काफी हद तक सफल रहा गाँधी.

→ भारतीय जनता को यह विश्वास हो गया कि यदि गाँधीवादी पद्धति पर संघर्ष किया जायेगा तो साम्राज्यवादी शक्ति को दमन का मौका नहीं मिलेगा। फलतः उनका भय समाप्त हुआ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड-ख / SECTION-B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि भारत में ब्रिटिश शासन एक बरगद के पेड़ के समान था जिसके नीचे कुछ भी उग नहीं सकता था? टिप्पणी कीजिये।

Do you agree with the statement that the British rule in India was like a banyan tree under which nothing could grow? Comment.

उपरोक्त कथन भारत में ब्रिटिश द्वारा स्थापित की गई आधुनिक संरचनाओं को दर्शाता है।

भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना के साथ अंग्रेजों ने प्रशासनिक दृष्टि से सिविल सेवा, पुलिस सेवा एवं न्यायिक प्रणाली की स्थापना की।

इसी तरह अंग्रेजों ने भारत में आधुनिक शिक्षा लागू की और अनेक शिक्षण संस्थानों की स्थापना की साथ ही प्रिंटिंग प्रेस के साथ ही पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का प्रकाशन हुआ और एक शिक्षित मध्यवर्ग का विकास हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

साथ ही अंग्रेजों ने डाक एवं तार व्यवस्था एवं रेलवे, सड़क एवं नहर जैसे परिवहन एवं संचार के साधनों का विकास किया।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारत में जो ब्रिटिश संस्थाएँ स्थापित की गई उनका उद्देश्य ब्रिटिश औपनिवेशिक हितों की पूर्ति करना था न कि भारत का आधुनिकीकरण।

इसके बावजूद भारत पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा और शिक्षित मध्यम वर्ग ने सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन और राष्ट्रीय आन्दोलन का नेतृत्व किया और भारत को स्वतन्त्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) गदर आंदोलन की उपलब्धियों की समीक्षा कीजिये।

Analyse the achievements of the Ghadar movement.

भारतीय ने खास अमेरिका एवं कनाडा में हो रहे नस्लवादी व्यवहार के विरुद्ध सोहनसिंह भाकना ने 1913 में हिन्द एसोसिएशन नामक संगठन की स्थापना की। इसने एक 'गदर' नामक पत्रिका का प्रकाशन किया। अतः यह गदर आन्दोलन के नाम से विख्यात हुआ।

गदर आन्दोलन की उपलब्धि यह है कि इसने राष्ट्रीय आन्दोलन की विभिन्न धाराओं को प्रभावित किया जो निम्न प्रकार है

→ कांग्रेस द्वारा 1929 में जो पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित किया गया था वहीं गदर आंदोलन द्वारा 1913 में भारतीय आजादी की बात कही गई थी।

→ क्रांतिकारी नेता भगतसिंह की गदर आंदोलन के नेता करतार सिंह सराभा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

की वीरता, त्याग, बलिदान एवं साहस की भावना से अत्यधिक प्रभावित था।

→ गदर आन्दोलन में गांधीवादी विचार का असहयोग भी दिखाई देता है जहाँ सोहन सिंह ने कहा कि "यदि 30 करोड़ भारतीय अंग्रेजों का सहयोग न करें तो अंग्रेज भारत में कभी ठहर नहीं सकते हैं।

→ इसी तरह गदर आंदोलन के नेता रासबिहारी बोस से सुभाष चन्द्र बोस अत्यधिक प्रभावित थे।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि गदर आन्दोलन ने राष्ट्रीय आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष को मजबूत किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) स्वराजवादियो के कार्यक्रम में किसी प्रकार की मौलिकता नहीं थी। टिप्पणी कीजिये।

There was nothing creative in the program of the Swarajists. Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

असहयोग आंदोलन की वापसी के पश्चात् कांग्रेस में दो समूह बन गये। एक का नेतृत्व मोती लाल नेहरू एवं C.R. दास कर रहे थे। वे लोग चुनावों के माध्यम से विधानसभाओं में प्रवेश पाकर सरकार का विरोध करना चाहते थे। अतः वे परिवर्तनवादी कहलाये और इन्होंने स्वराज पार्टी की स्थापना 1923 में की।

स्वराज पार्टी ने 1923 के प्रांतीय चुनावों में भाग लिया और मध्यप्रांत में स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। इसी तरह कुछ अन्य प्रांतों में भी सरकार बनायी।

स्वराज पार्टी की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उन्होंने विट्ठलभाई पटेल को केन्द्रीय विधानमण्डल का अध्यक्ष बनाने में सफल रहे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

साथ ही उनके विरोध के कारण ही सरकार को औद्योगिक विवाद अधिनियम पुनः लेना पड़ा।

इसके अतिरिक्त स्वराजियों ने किसानों की दशा सुधारने पर बल दिया। उनके लिए सिंचाई सुविधाओं का विकास करवाना और भूराजस्व का कटौती का प्रयास किया। उनके प्रयासों से विभिन्न प्रांतों में काश्तकारी अधिनियम पारित किए गए।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि स्वराजियों ने राष्ट्रीय आन्दोलन के निष्क्रिय दौर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दृष्टि से उनके कार्यक्रम की मौलिकता दिखाई देती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) "सत्य और अहिंसा ही वह अकेला धर्म है जिसका मैं दावा करना चाहता हूँ, मैं किसी भी परमानवीय शक्ति का दावा नहीं करता, ऐसी कोई शक्ति मुझमें नहीं है।" (गांधी)। टिप्पणी कीजिये।

"Truth and non-violence is the only religion I have, I do not claim any supernatural power, I do not have such powers." (Gandhi). Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

गाँधीजी की विचारधारा के सत्य एंव अहिंसा का महत्वपूर्ण का स्थान है।

गाँधीजी सत्य एंव अहिंसा को एक आध्यात्मिक शक्ति मानते थे जिसके आगे भौतिक शक्ति को झुकाया जा सकता था। इसी कारण से गाँधी ने उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष को मजबूत बनाने के लिए सत्य एंव अहिंसा पर आधारित अवधारणा सत्याग्रह को अपनाया।

गाँधीजी ने अहिंसा को राष्ट्रीय आन्दोलन का आधार स्तम्भ बनाया क्योंकि उनका मानना था कि अहिंसक आन्दोलन के कारण जनभागीदारी में वृद्धि होती है और आत्मानुशासनवादी आदि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को दमन का अवसर भी नहीं मिलता है।

इसी कारण गाँधी ने सत्य एवं अहिंसा को अपने व्यावहारिक जीवन में अपनाया और कहा कि इसे प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन में अपना सकता है क्योंकि यह कोई दैवीय या ईश्वरीय शक्ति नहीं है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) स्वतंत्र विदेश नीति पर चलने का प्रयास स्वाधीनता के पश्चात् भारतीय राजनीति की विशेषता भी थी और विवशता भी। टिप्पणी कीजिये।

Pursuing an independent foreign policy after independence was a quality as well as a necessity of the of Indian polity. Comment.

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't w anything in thi

1947 में जब भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की उस समय शीतयुद्ध का दौर चल रहा था। सम्पूर्ण विश्व दो ध्रुवों अर्थात् पूँजीवादी एवं साम्यवादी गुटों में विभाजित था।

ऐसी परिस्थिति में भारत ने स्वतंत्र विदेश नीति के संचालन पर बल दिया जो उस समय की विशेषता के साथ विवशता भी थी।

विशेषता:

→ भारत इस समय एक नवोदित स्वतंत्र राष्ट्र था और भारत सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करना चाहता था। इसलिए भारत ने स्वतंत्र विदेश नीति के संचालन के लिए गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विवशता:

चूँकि, भारत लगभग 200 वर्षों के औपनिवेशिक शोषण एवं दासता से मुक्त हुआ था। इस युग के दौरान गरीबी, भुखमरी, अकाल, कृषि का पिछड़ापन एवं वि-औद्योगीकरण भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ थी।

ऐसी परिस्थितियों में इन समस्याओं से निजात पाने के लिए एवं आर्थिक-औद्योगिक विकास के लिए भारत को दोनों समूहों से ही आर्थिक एवं तकनीकी सहायता की आवश्यकता थी।

→ यदि भारत किसी एक समूह में शामिल हो जाता तो दूसरे समूह का स्वाभाविक शत्रु बन जाता और उसे आर्थिक विकास की बजाय अस्त्र-शस्त्रों पर धन खर्च करना पड़ता। अतः भारत ने स्वतंत्र विदेश नीति पर चलने की नीति अपनाई।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) गांधी की विचारधारा औपनिवेशिक प्रश्नों पर एक तरफ जहाँ प्रगतिशील थी तो दूसरी तरफ भारतीय सामाजिक समस्याओं और अंतर-वर्गीय प्रश्नों पर रूढ़िवादी भी थी। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 20

The Gandhian ideology was progressive on the issues of colonialism but it was conservative on the issue of Indian societal and inter-class problems. Critically examine. 20

गाँधी की भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में बहुआयामी भूमिका दिखाई देती है जिसे गाँधीवादी विचारधारा के सन्दर्भ में समझना आवश्यक है।

प्रगतिशील विचारधारा:

→ गाँधीजी ने उपनिवेशवादी शासन का विरोध करने के लिए सत्य एवं अहिंसा पर आधारित पद्धति सत्याग्रह को अपनाया। गाँधीजी सत्याग्रह को नैतिक शक्ति को ~~[illegible]~~ आध्यात्मिक शक्ति के साथ जोड़ने का साधन मानते थे।

→ गाँधीजी ने अहिंसक आन्दोलन पर बल दिया क्योंकि इससे आन्दोलन में जनभागीदारी बढ़ती है और उपनिवेशवादी शक्ति को दमन का अवसर नहीं मिलता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ गाँधीजी वर्ग समन्वय के समर्थक थे। उनका मानना था कि भारत के विभिन्न वर्गों के लोगों का एकजुट करके से राष्ट्रीय आंदोलन को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। गाँधी की यह अवधारणा मार्क्स के वर्ग संघर्ष के विपरीत दिखाई देती है।

→ गाँधी ने साधन-साध्य की पवित्रता पर बल दिया। यही कारण है कि उन्होंने स्वतंत्रता जैसे पवित्र लक्ष्य को पाने के लिए क्रांतिकारी आन्दोलनों का सहयोग अस्वीकार कर दिया।

→ गाँधी सर्वोदय की अवधारणा में विश्वास रखते थे उनका मानना था कि समाज के अंतिम से अंतिम का कल्याण होना चाहिए। गाँधी की यह अवधारणा उपयोगितावादी विचारधारा के 'अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख' से अधिक प्रगतिशील है।

→ गाँधी ने ट्रस्टीशिप के सिद्धांत के माध्यम से पूंजीपतियों को केवल समाज की संपत्ति का मालिक बताया और वे उसका उपयोग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

धार्मिक प्रथा के लिए करें।

क्रांतिकारी विचारधारा:

→ गाँधी जी वर्णव्यवस्था के समर्थक थे और उन्होंने इसकी तुलना शरीर के गुरुत्वाकर्षण के सार्वभौमिक नियम से की।

उनका मानना था कि सभी वर्णों के लोग चाहे ही शिक्षा प्राप्त करें किंतु वे कार्य अपने वर्ण अनुसार ही करें।

→ गाँधी अस्पृश्यता को भारतीय वर्णव्यवस्था में दोष मानते थे और वे इसका समाधान के लिए वर्णव्यवस्था के उन्मूलन के समर्थक नहीं थे।

→ वास्तव में गाँधीजी अस्पृश्यता को सवर्ण हिन्दुओं के हृदय परिवर्तन एवं मंदिर प्रवेश जैसे उपायों से समाप्त करना चाहते थे जबकि अम्बेडकर कानूनी उपायों के माध्यम से अस्पृश्यता समाप्त करना चाहते थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) भारत में होमरूल आंदोलन के उद्देश्यों एवं प्रभावों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 15

Critically examine the objectives and consequences of Home Rule Movement in India. 15

1909 के मार्ले-मिंटो सुधारों का वास्तविक स्वरूप आने के बाद एवं प्रथम विश्वयुद्ध जनित कठिनाईयों के कारण तिलक एवं एनीबेसेंट ने आयरलैंड के होमरूल आन्दोलन की तर्ज पर भारत में भी होमरूल आन्दोलन का प्रारम्भ किया।

उद्देश्य:

होमरूल आन्दोलन का उद्देश्य भारतीय जनता को संवैधानिक तरीके से स्वशासन से परिचित करवाना था।

गतिविधियाँ:

तिलक एवं एनीबेसेंट ने यह महसूस किया कि होमरूल आन्दोलन को सशक्त रूप से चलाने के लिए कांग्रेस के दोनों गुटों का एक होना आवश्यक है। अतः इनके प्रयासों से 1916 के लखनऊ अधिवेशन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कांग्रेस के उदारवादी एवं उग्रवादी एक हो गये।

→ किसी भी प्रकार के टकराव की संभावना से बचने के लिए तिलक एवं बेसेंट ने अलग-अलग लीग की स्थापना की।

→ तिलक ने अप्रैल, 1916 में महाराष्ट्र (बम्बई को छोड़कर) कर्नाटक, बरार एवं मध्यप्रांत में लीग की शाखाएँ स्थापित की और भाषायी आधार प्रांतों की मांग एवं शिक्षा का जन-जन तक प्रसार रखा।

→ इसी तरह सितम्बर, 1916 में बेसेंट ने अपनी लीग स्थापित की और संपूर्ण देश में लगभग 200 शाखाएँ स्थापित की।

→ होमरूल लीग आन्दोलन के दौरान लोगों में जागरूकता लाने के लिए राजनैतिक विषयों पर भाषणों का आयोजन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लिखा गया और समाचारपत्रों के लेख लिखे गये।

→ 1918 आते-आते यह आंदोलन कमजोर हो गया क्योंकि मोंटफर्ड योजना के कारण बेसेंट ने आन्दोलन स्थगित कर दिया और तिलक किसी मुकदमे के सिलसिले में इंग्लैण्ड चले गये।

प्रभाव:

→ होमरूल लीग ने राष्ट्रीय आंदोलन की एक नई पीढ़ी तैयार की जो मौलिकवादी आदर्शों से युक्त थी।

→ कांग्रेस के दोनों गुटों में समझौता होने से राष्ट्रीय आन्दोलन मजबूत हुआ।

→ भारतीय जनता में स्वशासन के प्रति जागरूकता उत्पन्न की। वास्तव में इस आन्दोलन सर्वाधिक महत्व जनता में जागरूकता पैदा करने के सन्दर्भ में है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बीसवीं सदी के आरंभ के दशकों में समाजवादी विचारों ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की धारा को किस तरह प्रभावित किया था? सविस्तार चर्चा कीजिये। 15

Discuss the role of socialist ideas in affecting the Indian National Movement in the early decades of the twentieth century? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1917 में हुई रूस की साम्यवादी क्रांति की सफलता से भारत में भी समाजवादी विचारधारा का प्रसार-प्रचार हुआ और इस विचारधारा ने राष्ट्रीय आन्दोलन को भी प्रभावित किया जो निम्न प्रकार है -

→ समाजवादी विचारों से प्रभावित होकर भारत में क्रांतिकारी आन्दोलन का द्वितीय चरण प्रारम्भ हुआ। इस काल में क्रांतिकारी राष्ट्रवादी भावना के साथ-साथ समाजवादी विचारों से युक्त हुए।

जब क्रांतिकारियों ने इस विचारधारा से प्रभावित होकर शोषणमुक्त समाज की स्थापना पर बल दिया और यह योजना कि भी भारत को केवल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राजनीतिक स्वतन्त्रता ही नहीं बल्कि आर्थिक एवं सामाजिक स्वतंत्रता भी चाहिए। इसी क्रम में इसने किसानों एवं मजदूरों के शोषण को स्थापित करने पर बल दिया।

→ समाजवादी विचारधारा ने भारतीय किसान आन्दोलनों को प्रभावित किया। समाजवादी विचारधारा से प्रभावित अनेक किसान एवं मजदूर संघ बने जिन्होंने शोषणमुक्त समाज अथवा समाजवादी समाज की स्थापना बल देते हुए किसानों एवं मजदूरों को शोषण समाप्त करने पर बल दिया।

→ राष्ट्रीय आन्दोलन के अनेक नेता जैसे सुभाषचन्द्र बोस एवं जवाहर लाल नेहरू भी समाजवादी विचारधारा से अत्यधिक प्रभावित थे। यही कारण है कि कांग्रेस ने फैजपुर एवं हरिपुरा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अधिवेशन में समाजवादी कार्यक्रम रखे गये थे। इसमें सबसे प्रमुख मौलिक अधिकारों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय नियोजन समिति का गठन प्रमुख था। इसके अध्यक्ष नेहरू थे।

→ समाजवादी विचारधारा ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कांग्रेस को भी प्रभावित किया। फलत: कांग्रेस के भीतर ही कुछ नेताओं जैसे - जयप्रकाश नारायण, अशोक मेहता, मीनू मसानी आदि ने कांग्रेस समाजवादी दल की स्थापना 1934 में की और इसके माध्यम से कांग्रेस को समाजवादी स्वरूप देने का प्रयास किया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि समाजवादी विचारधारा ने राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान व्यक्तियों, संस्थाओं एवं संगठनों सभी को प्रभावित किया। इसी समाजवादी विचारधारा के कारण संविधान की प्रस्तावना में यह शब्द जोड़ा गया है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) "1935 का अधिनियम एक ऐसा भवन था जिसे देखकर बरबस प्रशंसा करनी पड़ती थी।" समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 15

"The Act of 1935 was an edifice that deserved praise." Critically examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation